

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज से विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान का शुभारम्भ किया। 31 अक्टूबर तक चलने वाले इस प्रदेशव्यापी अभियान के लिये श्री योगी ने जन-जागरूकता प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि अन्तरविभागीय समन्वय से आज प्रदेश में जापानी इंसेफेलाइटिस जैसी गम्भीर बीमारी समाप्त की कगार पर है। उन्होंने कहा कि इस बीमारी का आज एक भी मरीज नहीं है और जल्द ही जापानी इंसेफेलाइटिस के उन्मूलन की घोषणा की जायेगी। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी सरकार ने कुपोषण और गन्दगी की समस्या को दूर करने के लिये हर घर दस्तक अभियान चलाया, जिसके परिणाम आज सबके सामने है।

हर बीमारी की जड़ है कुपोषण, गंदगी और कुपोषण। कुपोषण के खिलाफ महिला और बाल विकास के माध्यम से एक अभियान चलाना और आप सभी ने जब जिम्मेदारियों का निर्वहन किया तो परिणाम सबके सामने है। आज से 5 वर्ष पहले इसी सीजन में अकेले इस बीआरडी मेडिकल कॉलेज में 500 से 600 इंसेफेलाइटिस के मरीज होते थे और मृतकों की संख्या भी लगातार बढ़ती थी, लगातार बढ़ती थी। जब यह सीजन 15 नवंबर के बाद समाप्त होता था, तब तक 500-600 मौतें हो चुकी होती थीं लेकिन आज मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि जापानी इंसेफेलाइटिस का एक भी पेशेंट आज के दिन में नहीं है। एक्यूट इंसेफेलाइटिस के जो मामले आ रहे हैं उसमें हमने दोनों उपाय किए हैं, एक सर्विलांस को मजबूत किया है, इंसेफेलाइटिस ट्रीटमेंट सेंटर चल रहे हैं, मिनी पीकू हर जगह स्थापित हुए हैं। कुछ सरकार ने किए हैं, डबल इंजन की सरकार ने किए हैं, कुछ सीएसआर से स्थापित हुए हैं।

श्री योगी ने कहा कि प्रदेश सरकार वर्ष दो हजार सत्रह से लगातार डेंगू, मलेरिया, इंसेफेलाइटिस, कालाजार, चिकनगुनिया जैसे संचारी रोगों पर नियंत्रण के लिये विशेष अभियान चला रही है। पिछले छः वर्षों में इसके अच्छे परिणाम सामने आये हैं। साल में तीन बार अन्तर्विभागीय समन्वय के साथ संचारी रोग नियंत्रण के लिये विशेष अभियान चलाया जाता है। श्री योगी ने कहा कि 16 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक आशा कार्यकर्त्रियों घर-घर जाकर दस्तक अभियान के माध्यम से बीमारियों से ग्रसित लोगों को चिन्हित कर उनके उपचार की व्यवस्था में सहयोग करेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर वर्ष 2025 तक टीबी को भी जड़ से समाप्त करना है। उन्होंने इसके लिये जनप्रतिनिधियों, चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ और आम नागरिकों से अपने आसपास टीबी से पीड़ित मरीजों को गोद लेकर स्वास्थ्य विभाग के नेतृत्व में चलाये जा रहे अभियान का हिस्सा बनने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर आंगनबाड़ी और आशा कार्यकर्त्रियों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिये सम्मानित किया। उन्होंने आयुष्मान योजना के लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड भी प्रदान किये

वाराणसी में विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने भेलूपुर स्थित स्वामी विवेकानंद मेमोरियल राजकीय चिकित्सालय से विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान का शुभारंभ किया।

नेपाल में आज भूकंप के तेज झटके महसूस किए गये। रिक्टर स्केल पर इनकी तीव्रता 4 दशमलव 6 और 6 दशमलव 2 दर्ज की गयी। भूकंप का असर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र नई दिल्ली और देश के उत्तरी राज्यों तक रहा। भूकंप का केंद्र नेपाल में पांच किलोमीटर की गहराई में दर्ज किया गया। पहला भूकंप दोपहर 2 बजकर 25 मिनट पर और दूसरा भूकंप 2 बजकर 51 मिनट पर आया। फिलहाल इससे किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

प्रदेश के पश्चिमी जिलों में भी भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। मेरठ, बिजनौर, बागपत, मुजफ्फरनगर, शामली, सहारनपुर सहित आसपास के जिलों में भूकंप आने के बाद लोग घरों से बाहर निकल आए। कहीं भी किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज गोरखपुर में गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के तत्काल निस्तारण का निर्देश दिया। श्री योगी ने कहा कि पीड़ितों की मदद और पात्र व्यक्तियों को शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देने में किसी प्रकार देरी नहीं होनी चाहिए। जमीन पर कब्जे की शिकायतों पर उन्होंने अधिकारियों को कब्जा करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महंत अवेद्यनाथ का पूरा जीवन भारत और भारतीयता के लिए समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि महंत अवेद्यनाथ ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में कार्य किया। वे सदा समाज और राष्ट्र के कल्याण के लिए समर्पित रहे। श्री योगी गोरखनाथ मंदिर में आयोजित महंत दिग्विजयनाथ की चौवनवीं और महंत अवेद्यनाथ की नौवीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह में आज महंत अवेद्यनाथ की पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित कर रहे थे।
